रिवाइवल् संदेश

Revival Ministries Australia की ओर से
P.O. Box 2718 BC TOOWOOMBA Q4350 Australia
Phone: 61-7-46130633; e-mail: rma@revivalministries.org.au
Website: www.revivalministries.org.au

May 2008*** **मई** 2008 *** **मई** 2008 *** **मई** 2008 ***May 2008

प्रिय भाइयो, हम आपको यीशु के नाम में नमस्कार कहते है जो मसीह और प्रभु भी है । इस महीने हम आपको प्रेरित डॉन आटकीन , अमेरिका के एक बहुत मुख्य और युक्तिपूर्ण लेख भेज रहे है, जो प्रेरितीय दल का अगुवाई कर रहे है जो विश्व व्यापी प्रेरितों, पंच-सेवाकाई और संतों को पिता का संगति मिल रही है । यह विश्व व्यापी संगती कई महीनों तक हमारे होठों मे रही परन्तु 2007 अक्टूबर में क्लीयर वाटर , फ्लोरीडा में हुई महासभा में एक प्रेरितीय परिषद के रूप मे दिखने लगी । मुझे उस सभा में उपस्थित होने का अवसर प्रदान हुआ और आत्मा ने मुझे दिखाया इस परिषद में प्रेरितों की उभरती संगति की क्षमता । उस प्रेरित परिषद में प्रतिनिधित्व किए हुए भाइयों ने कई राष्ट्रों में प्रेरितीय पुनस्थापना में जुट गए । यह उभरती विश्व व्यापि संगति मसीह की देह की प्रगटिकरण है जो धार्मिक पंथ नहीं है लेकिन नातेदार है जो पृथ्वि पर उमड़ रही है ।

मै आप को सलाम कहते हुए एक दल के साथ आफ्रिका के सात सप्ताहों के लिए रवाना होता हूँ, व्यक्तिगत रूप से नाईजेरिया, लिबिया और केनिया जाऊंगा और दल के कुछ लोंग घना में भी कुछ समय बिताएंगे ।

पावल गेलिगैन

प्रेरितों की विश्व–व्यापी संगति की एक अत्यावश्यकता

डॉन आटकीन द्वारा

"मैं उनके लिये विनती करता हूँ; संसार के लिये विनती नहीं करता परन्तु उन्हीं के लिये जिन्हें तू ने मुझे दिया है, क्योंकि वे तेरे हैं.....कि वे हमारे समान एक हो.......जैसे तू ने मुझे जगत में भेजा, वैसे ही मैं ने भी उन्हें जगत में भेजा.......वह महीमा जो तू ने मुझे दी है मैं ने उन्हें दी है, कि वे वैसे ही एक हों जैसे कि हम एक हैं ।" **यूहन्ना** 17 : 9, 11, 18, 22 ।

प्रेरितों की संगति की पुनस्थापना कलीसिया सुधार के लिए आवश्यक बात है । बहुत लोंग प्रेरितीय सेवाकाई को पहचाना और ग्रहण किया अलग-अलग स्तर से । समस्त पुनस्थापना कलीसिया के लिए प्रतिक्षा करेगा जिन्हें भेजा गया हैं बिना स्थान और सिमा के ।

प्रेरित मिलकर एकता में साथ चलना चाहिए कलीसिया से इस प्रकार के भरोसा और विश्वासयोग्यता आशा रखने से पहले । कलीसिया प्रेरितों को भरोसा रखेंगे जो प्रेम करते और एक दूसरे को सर्मपण करते हैं । कलीसिया की संगती प्रेरितों की संगती से बहनी चाहिये ।

"जो कुछ हम ने देखा और सुना है उसका समाचार तुम्हें भी देते हैं, इसलिये कि तुम भी हमारे साथ सहभगी हो; और हमारी यह सहभागिता पिता के साथ और और उसके पुत्र यीशु मसीह के साथ है ।" (1 **यूहन्ना** 1:3)

दिखनेवाला महिमित एकता पहले-पहले के प्रेरितों ने संसार को साबित किया कि हमारे पिता ने उसके पुत्र को भेजा जिन्हें वह उतना ही प्यार करता था जितना वह उससे । उनकी गवाही नई सृष्टि के विषय में, और पृथ्वी में स्वर्गीय राज्य, भीड़ों को खिंचा एक सिद्ध कलीसिया बनने के लिये । उनका उदाहरण हमारे लिये एक ढाँचा है आगे बढने के लिए जैसे हम अंधकारयुक्त युगों से समाधनहीन बना हुआ समस्या बना हुआ हैं ।

प्रेरितों और पुनस्थापना

मार्टीन लुथर को श्रेय दी जाती है जिन्होंने कलीसिया की पुनस्थापना की एक प्रकाश के साथ कि विश्वास द्वारा धर्मी गिना जाता हैं । जब से पुनस्थापना पहचाना गया है तब से कुछ ख़ास नही हुआ हैं । सच्चाई में कलीसिया की कई प्रकार के बनावट दिखी जाती हैं आज प्राय संसार ही हमें बेकार समझती हैं । परमेश्वर गड़बड़ी का कर्ता नहीं हैं ।

कलीसिया की पुनस्थापना से पहले प्रेरितों की पुनस्थापना होना जरूरी हैं

प्रेरितलोंग परमेश्वर के ब्लू-प्रींट के प्रगटीकरण से ख़ास बनानेवाला और निर्माणकर्ता हैं

"यीशु ने उनके पास आकर कहा, स्वर्ग और पृथ्वी का सारा अधिकार मुझे दिया गया है । इसलिये तुम जाओ ....." (**मत्ती** 28 :18) । परमेश्वर ने प्रेरितों को अधिकार दिया, ब्लू-प्रिंट के साथ एक ढाचा बनाकर भेजा । बारह प्रेरित पिन्तेकुस्त के दिन ऐसे खड़े हुए मानौ वे एक व्यक्ति हों, प्रेरित लोंग नयाँ नियम में भविष्यद्वक्ता और शिक्षकों से पहले दृश्य मे थे । ***"और परमेश्वर ने कलीसिया में अलग अलग व्यक्ति नियुक्त किए हैं : प्रथम प्रेरित, दूसरे भविष्यद्वक्ता, तिसरे शिक्षक......"*** (1**कुरिन्थियों** 12:28)

भविष्यद्वक्ता और शिक्षक दोनों मुल्य और प्रार्थमिकता में समान है । परन्तु, वे लोंग कुशल कारीगर नहीं है, उनके पास ब्लू-प्रींट भी नही है । कुछ लोंग इस बनावट को बहुत महत्व देते हैं और अभ्यास करते हैं वे अद्‌भुत तरीके से परिवर्तन होनी जानी चाहिए कलीसिया सही ढाचा में पुनस्थापित होता जाये । प्रेरित लोंग जो अभी के धार्मिक पद्धति मे सामिल होते है वे लोंग कुशल कारिगर के अनुग्रह से समझौता कर रहे हैं । यीशु ने कहा, ' कोई भी नयाँ कपड़ा पुराना कपड़े के साथ नही सिलता ।'

भविष्यद्वक्ताए अलग-अलग तरीके से और कभी संघर्ष तरीके और चकरानेवाली तुरही फूकेंगे और शिक्षक लोंग खरगोस को पकड़नेवाली खेल कोशिष करेंगे जब तक परमेश्वर पवित्र आत्मा द्वारा आज्ञा को स्थापित नहीं करेंगे । भविष्यद्वक्ताए और शिक्षक अधिकार के पूरा छुटकारा, अभिषेक के ठीक प्राप्त करेंगे, जब वे उन प्रेरितों के साथ पंक्तिबद्ध होंगे जो आपस मे एक दूसरे के साथ पंक्तिबद्ध हैं । भविष्यद्वक्ताए प्रेरितों के साथ खड़े होंगे नींव बसानेवाले सेवकों के समान, और शिक्षक लोंग उस नींव में बनते जाएंगे ।

प्रेरित लोग और सिद्धान्त

शुरू की कलीसिया- भविष्यद्वक्ताए और शिक्षक लगागत- प्रेरितीय शिक्षा और अधिकार के प्रति विश्वासयोग्य । “और वे प्रेरितों से शिक्षा पाने में लौलीन रहे ।” **प्रेरित** 2:42

आजकल,बहुत सारे पृथक करनेवाला, तुलना करनेवाला और हावी होनेवाला सिद्धान्तों का उजागार हुआ हैं । शरीरिक सिद्धान्तों का कर्ता और प्रेतों ने मसीह की शरीर को बाँट दिया है । साकृतिक बातें अवश्य सिद्धान्त और अभ्यास के ऊपर प्रभाव डालता है । यरूशलेम की महा सभा होने का कारण था साकृतिक भिन्नता यहूदियों और अन्य जातियों के बीच मतभेद, और कई प्रकार के विश्वास और अभ्यास उसका प्रतिफल बना ।

प्रेरितों के संगती ने *प्रेम के बन्धन* में *आत्मा का एकता* बनाए रखा । वह आज का प्रेरित लोंग हैं जो संगती में एक दूसरे को धार्मिक विश्वास में आनेवाली भिन्नता को अगुवाई करेंगे वह भी एकता और शान्ति में।

मेम्ने के बारह प्रेरितों ने पृथ्वी भर में तब की जानी-मानी संसार में एक संगति की प्रतिनिधित्व की । आज हमारा संसार और भी विशाल बन गया है, सास्कृतियाँ तो और भी अलग-अलग हो गए हैं । संचार के प्रगतिशील तकनीक हमें विश्वास में अनुकूल होने के लिए मौका देता है कि समस्त पृथ्वी भर संगती का बुलाहट देने के लिए ।

प्रेरितों और पंच-सेवाकाई

प्रेरितों के संगती में हरेक और सबकुछ सामेल हो जाता जिन्हें अपने-अपने क्षेत्र में फलना और फूलना होता हैं । भविष्यद्वक्ता सामेल होते है । शिक्षक सामेल होते है । चरवाहें और सुसमाचार सुनानेवाले सामेल होते हैं । संतजन भी इस विश्व-व्यापी संगती में सामेल होते हैं ।

“एक ही देह है, और एक ही आत्मा; जैसे तुम्हें जो बुलाए गए थे अपने बुलाए जाने से एक ही आशा है । एक ही प्रभु है, एक ही विश्वास, एक ही बपतिस्मा, और सब का एक ही परमेश्वर और पिता है, जो सब के ऊपर और सब के मध्य में और सब में है । पर हम में से हर एक को मसीह के दान के परिमाण के अनुसार अनुग्रह मिला है ।” **इफिसियों** 4: 4-7

यह प्रेरितों का अनुग्रह है जो कलीसिया को परमेश्वर के ढंग में पुनः निर्माण करेगा । यह अनुग्रह हमारे संगति में एक दूसरे में बृहत रूप में बढते जानी चाहिए ।

अंत मे हम अंगीकार करते है कि यदि यहोवा घर न बनाए तो परिश्रम करनेवालों का परिश्रम ब्यर्थ हैं । हम केवल प्रार्थना करनेवाले, जागा रहनेवाले, जिम्मेदारी बन सकते हैं, जैसे हम देखते हैं और जो वह करता है उसमें सामेल हो सकते है । वही पुत्र भी करता है !

कलैण्डर - मई :

बुधवार 14- 30 तक - जीन मेनिंग, इयान और यहोशू और सायोवान विल्लयम्स
फिलिप्पियन्स में पास्टर अलबर्ट ओलेगारियो के साथ सेवाकाई करेंगे

शुक्रबार 30 से 1 जून तक **समाजिक सप्ताह-अंत शिलोह में**
शुक्रबार 30, शाम 7 बजे - आरधना / रात को प्रभु को परखे रहना
शनिबार 31-**प्रशिक्षण दिन** शिलोह में 10 बजे सुबह से शाम 4 बजे तक चाय के साथ
फिलिप्पियन्स से वापस आए स्थानिय दल समय लेंगे
+++++++++++++++++++++++++++++++
आफ्रिका दौरा: पावल गेलिगैन, डाँन पीटकीन, निकोलस और मिरियम टरुस्स
नाइजेरियाँ : मई 2 से 11 तक **लागोस–** 6 से 11 तक, **कडूना** 12 **को**, 13 को लागोस वापस
14 मई का नाईजेरिया के लिए रवाना
डाँन और मरियम घना जाएंगे: 14-19 तक आक्करा, 20 से 24 तक तेमा में
पावल और निक लाईबेरिया: 15 से 23 तक मोनरोविया
24 **मई** दल इकट्ठे होकर केनया हवाई ज़हाज में जाएंगे, 25 को पहुँचेंगे

पावल किसूमू को हवाई जहाज से जाएंगे उसी दिन बिशप इल्काना सालम्बा से मिलेंगे और बिशप के साथ कीटाले, एलडोरेट, नाईरोबी और ममबासा में 26 **से** 12 **जून** तक सेवाकाई करेंगे सिमीनारों मे पी ए जी कलीसियाओ द्वारा आयोजित ।

डाँन आटकीन, मीरियम और निकोलस – 26 - 27 मई नाईरोबी इलाकों में
डाँन और मीरियम :28 **से** 1 **जून** तक नाईरोबी में रहेंगे , 2 **जून** कि पश्चिम केनयाँ को दौरा करेंगे
3 **से** 4 **जून** तक वेबुये में, 5 से 7 जून तक कीटाले में ।
नीकाँलस : 28 को पश्चिम को यात्रा करेंगे प्रेरित पीटर एकेक से मिलकर सेमीनारों के लिए
कीस्सी 29–30 **मई**; मासेनो 31–1 **जून** तक; साइया 2–3 **जून**, साबातीया 4–5 **जून**
उगून्जा 6–7 **जून**; काकामेगा टाऊन **रबिवार** 8 **जून**
डाँन, **मीरियम और निकोलस :** 8–10 **जून** किपकारेन; **जून** 11 इल्डोरेट
जून 12 नाईरोबी को लौटेंगे ।
जून 13–15 सभी दल एक साथ
17 **जून को दल घर लौटेंगे** ।
+++
फीजी: 24 – 7 **जुलाई** तक वेन्डी मोरिस और एन्जी शर्मा

MID YEAR TRAINING SCHOOL SHILOH SCHOOL OF MINISTRY

Monday 30th June – Saturday 19th July 2008 [three weeks]
Venue: SHILOH CENTRE, 19 Russell St TOOWOOMBA QLD 4350
For Pastors, Leaders and those called to minister in the body of Christ

International brethren & brethren in Australia are invited to **a further two weeks of training and** equipping, **Tues.22nd - Fri.25th & Tues. 29th – Thurs.31st**

TRAINING SCHOOL FOR CHILDREN & YOUTH, ages 4 to 13
Monday 7th July to Friday 11th July

email: rma@revivalministries.org.au